Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of faculty: Humanities

मानव्य विद्याशाखा

CBCS & NEP - 2020 Syllabus

चयनाधारित श्रेयांक पद्धति एवं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के नुसार पाठ्यक्रम

Name of the Course

Hindi B. A. Part - II Sem. - III

B.A. - II Year, Semester - III

हिंदी बी. ए. भाग - 2 सत्र - 3

Papers

प्रश्नपत्र

DSC, Minor, GE/OE, VSC, AEC-L2 (MIL), FP

With effect from June 2025

जून 2025 से आरंभ

बी.ए.द्वितीय वर्ष हिंदी, सत्र- तृतीय

(Choice Based Credit- System)

सी.बी.सी.एस. प्रणाली के अनुसार

National Education Policy -2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020

शै.वर्ष- 2025-26 से

Leve	Code	Title of the paper and code	Semester Exam.			Credit	Lectures	Total Com. Credit-s	Degree
5.0	Sem.- III		Theory		Total				
		Major Mandatory	U.A.	C.A.	100				
	G03- DSC-	हिंदी गद्य साहित्य एवं व्याकरण G03-DSC1-0301	60	40	100	4.0	60	4.0	3 Years
	G03- DSC-	हिंदी भाषा G03- DSC1-0302	60	40	100	4.0	60	4.0	
	G03-Minor-	हिंदी नाटक एवं कार्यालयीन हिंदी G03- G03-DSC2-0301	60	40	100	4.0	60	4.0	
	G03-GE/OE	हिंदी साहित्य और सिनेमा G03-GE-OE-301	30	20	50	2.0	30	2.0	
	G03-VSC-I	वृत्तांत लेखन G03-VSC-301	30	20	50	2.0	30	2.0	
	G03-AEC-L (MIL)	आधुनिक भारतीय भाषा	30	20	50	2.0	30	2.0	
	G03- FP	कार्यक्षेत्र प्रकल्प	00	50	50	2.0	30	2.0	
		Total				20.0	300	20.0	

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ॥ विद्यया संपन्नता ॥ NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur B. A.- II (Hindi), Semester - III Vertical : DSC - 3 Course Code: G03-DSC1-0301 Course Name: Hindi Title of Paper: हिंदी गद्य साहित्य एवं व्याकरण

*Teaching Scheme Lectures: 60 Hours, 04 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With effect from June - 2025	*Examination Scheme UA:- 60 Marks CA:- 40 Marks

प्रस्तावना / Preamble

मानव इतिहास संघर्ष की अमिट गाथा के रूप में स्थापित हुआ है। संघर्ष की बुनयाद पर ही मनुष्य ने समाज, संस्कृति और संस्कार प्राप्त किए है। समाज में रक्तसंचार रूपी प्रवाहित संस्कृति अपनी सुगढ़ता एवं जीवनशैली के आधार पर मानवता के मापदंड निर्धारित कर सामाजिक सौहार्द पाने के लक्ष्य की ओर अग्रेसर है। इसी सौहार्द की परिधि में आज भी अनेक मानव समुदाय अपने हक़ एवं अधिकार पाने के लिए नित्य संघर्ष कर रहे है। कथाकार रणेंद्र द्वारा लिखित "ग्लोबल गाँव के देवता" यह उपन्यास आदिवासियों तथा आदिम जन-जातियों के जीवन संघर्ष को अधोरेखित करता है। वैश्वीकरण के चपेट में आकर आदिवासी मान्यताएँ, दर्शन तथा संस्कृति अपनी अंतिम साँसे गिनती नजर आ रही है। रणेन्द्र प्रश्न उठाते हैं, 'बदहाल ज़िन्दगी गुज़ारती संस्कृतिविहीन, भाषाविहीन, साहित्यविहीन, धर्मविहीन शायद मुख्यधारा पूरा निगल जाने में ही विश्वास करती है ? 'ग्लोबल गाँव के देवता' वस्तुतः आदिवासियों वनवासियों के जीवन का सन्तप्त सारांश है। शताब्दियों से संस्कृति और सभ्यता की पता नहीं किस छन्नी से छन कर अवशिष्ट के रूप में जीवित रहने वाले असुर समुदाय की गाथा पूरी प्रामाणिकता व संवेदनशीलता के साथ रणेन्द्र ने लिखी है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. रणेंद्र के उपन्यास संसार का परिचय कराना।
2. छात्रों में उपन्यास विधा के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृष्टि विकसित कराना।
3. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण तथा दायित्व विकसित कराना।
4. 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास का कथातात्विक अध्ययन कराना।
5. आदिवासी विमर्श से परिचय कराना।

पाठयक्रम सीखने के परिणाम / Course Outcomes

1. रणेंद्र के उपन्यास संसार से परिचित होंगे।
2. छात्रों में उपन्यास विधा के प्रति अभिरुचि और समीक्षा दृष्टि विकसित होगी।
3. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवीय दृष्टिकोण एवं दायित्व विकसित होगा।
4. छात्र 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास का विश्लेषणात्मक अध्ययन होगा।
5. आदिवासी विमर्श से परिचय होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. गृह स्वाध्याय
3. सामूहिक चर्चा

अध्ययनार्थ पाठ्यपुस्तक -

1. **'ग्लोबल गाँव के देवता'(उपन्यास) - रणेंद्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली**

❖ **अध्ययनार्थ विषय** — Weight age / **बल**

इकाई - I साहित्यकार रणेंद्र — Credit 1, Lectures-15 Marks - 15

1. रणेंद्र का जीवन परिचय एवं साहित्य संसार
2. रणेंद्र के कथा साहित्य का वैचारिक पक्ष
3. उपन्यासकार रणेंद्र

इकाई - II 'ग्लोबल गाँव के देवता' (उपन्यास) - रणेंद्र — Credit 1, Lectures-15 Marks - 15

1. उपन्यास की विषयवस्तु एवं पात्र परिचय
2. उपन्यास में संवाद
3. उपन्यास देशकाल वातावरण एवं भाषा शैली

इकाई - III 'ग्लोबल गाँव के देवता' (उपन्यास) - रणेंद्र — Credit 1, Lectures-15 Marks - 15

1. उपन्यास का उद्देश्य
2. शीर्षक की सार्थकता
3. 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास में चित्रित समस्याएँ एवं प्रासंगिकता

इकाई - IV व्याकरण — Credit 1, Lectures-15 Marks - 15

1. समानार्थक एवं विलोम शब्द - 30 (परिशिष्ट क्र. 1)
2. वाक्यांश के लिए एक शब्द - 30 (परिशिष्ट क्र. 2)
3. मुहावरों का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग - 30 (परिशिष्ट क्र. 3)

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

(सूचना - इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

1.	बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
2.	लघुत्तरीप्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (इकाई क्र. IV पर)	(12 अंक)
3.	टिप्पणियाँ लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
4.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
5.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
		कुल अंक = 60

- **संदर्भ ग्रंथ सूची :-**

1. हिन्दी उपन्यास और आदिवासी चिन्तन, डॉ. विनोद विश्वकर्मा (संपा.), अनंग प्रकाशन, दिल्ली
2. उपन्यासों में आदिवासी भारत (उपन्यासों के अंश व सारांश सहित), डॉ. रमेश चन्द मीणा (सम्पादक), अलख प्रकाशन, जयपुर
3. आदिवासी विद्रोह : विद्रोह परम्परा और साहित्यिक अभिव्यक्ति की समस्याएं, केदार प्रसाद मीणा अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली
4. झारखण्ड के आदिवासी, डॉ. चन्द्रकान्त वर्मा के.के पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद
5. वन अधिकार अधिनियम: समीक्षा और संघर्ष, डॉ. ब्रह्मदेव शर्मा, सहयोग पुस्तक कुटीर (ट्रस्ट), निजामुद्दीन, नयी दिल्ली
6. राजस्थान में किसान एवं आदिवासी आन्दोलन, डॉ. बृजकिशोर शर्मा, राजस्थान
7. आदिवासी अस्मिता:प्रभुत्व और प्रतिरोध, अनुज लुगुन(सम्पादक), अन्यय प्रकाशन, दिल्ली

- **वेब संदर्भ** : -

1. http://www.debateonline.in/200612/

❖ परिशिष्ट क्र. 1

1. समानार्थक एवं विलोम शब्द - 30

• समानार्थक शब्द		• विलोम शब्द
1.	अन्न = अनाज, धान	1. अमृत × विष
2.	आकाश = गगन, नभ	2. अनुकूल × प्रतिकूल
3.	कुटिल = धूर्त, कपटी	3. अग्रिम × अंतिम
4.	खंड = भाग, हिस्सा	4. कीमती × सस्ती
5.	बालक = बच्चा, शिशु	5. खिलना × मुरझाना
6.	वृक्ष = पेड़, तरु	6. खगोल × भूगोल
7.	जलाशय = तालाब, सरोवर	7. गणतंत्र × राजतंत्र
8.	पशु = जानवर, जीव	8. घटाव × जोड़
9.	विद्वान = पंडित, ज्ञानी	9. चंद्रोदय × सूर्योदय
10.	अव्यक्त = अप्रकट, अनिर्वचनीय	10. छाँव × धूप
11.	उपकार = भलाई, मदद	11. जागृत × सुप्त
12.	पुस्तकालय = ग्रंथालय, पुस्तकशाला	12. झुकाव × तनाव
13.	शत्रु = दुश्मन, विरोधी	13. टीला × गड्ढा
14.	प्यास = तृष्णा, तृषा	14. ढोंगी × सदाचारी
15.	संकट = विपत्ति, आपदा	15. प्राचीन × नवीन

❖ परिशिष्ट क्र. 2

2. वाक्यांश के लिए एक शब्द - 30

1. जिसका जन्म नहीं होता = अजन्मा	16. दोपहर से पहले का समय = पूर्वाह्न
2. जिसके समान कोई दूसरा न हो = अद्वितीय	17. हृदय को विदीर्ण कर देनेवाला = हृदय विदारक
3. जो तुरंत कविता बना सके = आशुकवि	18. जो बुलाया न गया हो = अनाहूत
4. गोद लिया हुआ पुत्र = दत्तक	19. मधुर बोलने वाला = मधुरभाषी
5. जिसमें कोई विवाद ही न हो = निर्विवाद	20. जिसके विरुद्ध मुकदमा दायर हो = प्रतिवादी
6. रात्रि में विचरण करनेवाला = निशाचर	21. जो क्षण भर में नष्ट हो जाए = क्षणभंगुर
7. युद्ध की इच्छा रखनेवाला = युयुत्सु	22. समान दृष्टि से देखनेवाला = समदर्शी
8. जो सदा से चला आ रहा हो = सनातन	23. सौ वर्ष का समय = सदी
9. जिसने मुक़दमा दायर किया है = वादी	24. शरण पाने का इच्छुक = शरणार्थी

10. सीमा का अनुचित उल्लंघन = अतिक्रमण	25. जो विधि के अनुकूल हो = वैध
11. संध्या और रात्रि के बीच की बेला = गोधुलि	26. किसी विषय का पूर्ण ज्ञाता = पारंगत
12. किसी टूटी-फूटी ईमारत का अंश = भग्नावशेष	27. मांस रहित भोजन = निरामिष
13. जो कार्य कठिनता से हो सके = दुष्कर	28. जो निंदा के योग्य हो = निंदनीय
14. जिसे पाना असंभव हो = असाध्य	29. इंद्रियों को जीतने वाला = जितेंद्रिय
15. जो देखा न जा सके = अलक्ष्य	30. जीवित रहने की इच्छा = जिजीविषा

❖ **परिशिष्ट क्र. 3**

3. मुहावरे और अर्थ

1.छोटा मुँह बड़ी बात	हैसियत से अधिक बात करना
2. दिल बाग- बाग होना	अत्यधिक हर्ष होना
3. प्राणों की बाजी लगाना	जान की परवाह न करना
4. छलनी कर डालना	शोक-विव्हल कर देना
5. जख्म पर नमक छिड़कना	दुःखी या परेशान को और परेशान करना
6. थक कर चूर होना	बहुत थक जाना
7. धरना देना	अड़कर बैठना
8. जूते पड़ना	बहुत निंदा होना
9. हाथ की कठपुतली बनना	किसी को अपने इशारों पर चलना
10. बीड़ा उठाना	जोखिम भरा काम करने का उत्तरदायित्व लेना
11. कीचड़ में कमल खिलना	बुराई में रहते हुए भी अच्छा बना रहना
12. पैरों पर नाक रगड़ना	बहुत विनती करना
13. मन खट्टा होना	विरक्ति उत्पन्न होना
14. बूंदबूंद से घड़ा भरता है-	छोटे प्रयास से बड़ा परिणाम प्राप्त होता है
15. घोड़े बेचकर सोना	बेफिक्र होना
16. खोज खबर लेना	समाचार मिलना
17. खून के आँसू रुलाना	बहुत सताना या परेशान करना
18. घाट-घाट का पानी पीना	हर प्रकार का अनुभव होना
19. एड़ी-चोटी का जोर लगाना	खूब परिश्रम करना
20. आकाश में उड़ना	कल्पना/ख्वाब में घूमना
21. अपना उल्लू सीधा करना	स्वार्थ सिद्ध करना
22. अँधेरे में तीर चलाना	लक्ष्यविहीन प्रयास करना
23. आगे का पैर पीछे पड़ना	विपरीत गति या दशा में पड़ना
24. आटे दाल की फ़िक्र होना	जीविका की चिन्ता होना
25. अंग-अंग खिल उठना	खुश हो जाना
26. आँखें मूंदना	सब कुछ देखते हुए भी अनदेखा करना
27. आँख में खटकना	पसंद न आना
28. आग में तेल डालना	और अधिक भड़काना
29. अक्ल के घोड़े दौड़ाना	केवल कल्पनाएँ करते रहना
30. गागर में सागर भरना	संक्षेप में अत्यधिक प्रस्तुत करना

	Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur B. A.- II (Hindi), Semester - III Vertical : DSC - 4 Course Code: G03-DSC1-0302 Course Name: Hindi Title of Paper: हिंदी भाषा

*Teaching Scheme Lectures: 60 Hours, 04 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With effect from June - 2025	*Examination Scheme UA:- 60 Marks CA:- 40 Marks

प्रस्तावना / Preamble

हिंदी भाषा भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जानेवाली भाषा है। जिसका उद्‌भव और विस्तार भारत के बहुत बड़े प्रदेशों में हुआ है। हिंदी के अन्तर्गत पांच उपभाषाएँ और कुल सत्रह बोलियाँ है तथा उसकी लिपि देवनागरी है। भारत के साथ- साथ हिंदी विश्व के कई देशों में बोली और समझी जाती है। भाषा मनुष्य को प्राप्त सबसे बड़ी देन है। भाषा के कारण ही मनुष्य अन्य प्राणियों से अलग अस्तित्व रखता है। भाषा की अपनी विशिष्ट संरचना होती है। जिसमें स्वन से लेकर वाक्य तक और उस वाक्य के अर्थ तक एक सूत्रता होती है।

पाठ्‌यक्रम के उद्‌देश्य / Objective of the Course

1. भाषा की परिभाषा एवं विशेषताओं से परिचित कराना
2. भाषा के अंगो से परिचित कराना
3. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
4. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार से अवगत कराना।

पाठ्‌यक्रम सीखने के परिणाम / Course Outcomes

1. भाषा की परिभाषा एवं विशेषताओं से परिचित होंगे।
2. भाषा के अंगो से परिचित होंगे।
3. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे।
4. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार से अवगत होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. गृह स्वाध्याय

अध्यनार्थ विषय :- **Weight age / बल**

इकाई-1 भाषा Credit-1 Lecture-15 **Marks - 15**

1. भाषा अर्थ,परिभाषा एवं विशेषताएं
2. भाषा के अंग या व्याप्ति -ध्वनि, शब्द, पद, वाक्य, प्रोक्ति, अर्थ
3. भाषा के विविध रूप-मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा

इकाई-2 हिंदी भाषा और बोलियाँ Credit-1 Lecture-15 **Marks - 15**

1.हिंदी शब्द की व्युत्पत्ति, हिंदी शब्द का अर्थ

2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
3. हिंदी का भौगोलिक विस्तार-खड़ीबोली, ब्रज और अवधी का सामान्य परिचय

इकाई- 3 हिंदी शब्द समूह और भाषाई कौशल Credit-1 Lecture-15 **Marks - 15**

1. हिंदी का शब्द समूहः- तत्सम, तदभव, देशज, विदेशी शब्दों का सोदाहरण परिचय
2. भाषाई कौशल.१- श्रवण कौशल, पठन कौशल

3.भाषाई कौशल. २.- मौखिक कौशल, लेखन कौशल

इकाई- 4 लिपि **परिचय** Credit-1 Lecture-15 **Marks - 15**

1. लिपि का सामान्य परिचयः- खरोष्ठी लिपि, ब्राह्मी लिपि
2. देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास
3. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

1.	बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
2.	लघुत्तरीप्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
3.	टिप्पणियाँ लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
4.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
5.	दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
		कुल अंक = 60

संदर्भ ग्रंथ :

1) भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2) हिंदी उद्भव विकास और रूप - डॉ.हरदेव बहारी
3) भाषा और भाषा विज्ञान - तेजपाल चौधरी,
4) भाषा विज्ञान - कपिलदेव द्विवेदी,

<table>
<tr><td></td><td colspan="2">Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur
B. A. II (Hindi), Semester - III
Vertical : Minor (Credit- 4)
Course Code: G03-DSC2-0301
Course Name: Hindi
Title of Paper: हिंदी नाटक एवं कार्यालयीन हिंदी</td></tr>
<tr><td>*Teaching Scheme
Lectures: 60 Hours, 04 Credits
OR
Practical: 00 Hours, 00 Credit</td><td>With effect from June - 2025</td><td>*Examination Scheme
UA:- 60 Marks
CA:- 40 Marks</td></tr>
</table>

प्रस्तावना / Preamble

भारत में अभिनय-कला और रंगमंच का वैदिक काल में ही निर्माण हो चुका था। संस्कृत रंगमंच तो अपनी उन्नति की चरमसीमा तक पर पहुँच गया था। भरतमुनि का नाट्यशास्त्र इसका प्रमाण है। नाटक की यह विशाल परंपरा आधुनिक काल तक निरंतर रही है। सामजिक समस्याओं एवं ऐतिहासिकता के कारण नाटक समाज का अभिन्न अंग बन गए है। सर्वेश्वर दयाल सक्सेना बहुमुखी प्रतिभा के संपन्न साहित्यकार हैं। कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास आदि विविध साहित्य रूपों को उन्होंने समृद्ध किया हैं। इन्होने अपने साहित्य के माध्यम से आज की व्यवस्था पर व्यंग्य हैं। इनका 'बकरी' नाटक आज की राजनैतिक, सामाजिक व्यवस्था पर करारी चोट है। इनके नाटकों में सामाजिक, आर्थिक, राजकीय ढाँचे में परिवर्तन के लिए विद्रोह हैं। 'बकरी' अपने रूप बंध में नया सार्थक और समकालीन परिस्थिति का नाटक हैं। गांधी और लोहिया के नाम पर राजनीति करनेवालों पर यह नाटक व्यंग्य करता हैं। वर्तमान में साहित्य के साथ हिंदी सूचना प्राद्योगिकी की भाषा बन गयी है। कार्यालयीन हिंदी का मुख्य उद्देश्य संचार को सुगम और सुविधाजनक बनाना है। इसका उपयोग लोगों के बीच व्यापारिक प्रस्तुतियाँ, सामग्री के वितरण, संदेशों का प्रसार आदि के लिए किया जाता है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य / Objective of the Course

1. हिंदी नाटक की परंपरा से परिचित कराना
2. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय कराना।
3. 'बकरी' नाटक के मानवीय, सामजिक तथा राजनैतिक दृष्टिकोण से परिचित कराना।
4. छात्रों को कार्यालयीन पारिभाषिक शब्दावली और संक्षिप्तिकरण की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी नाटक की परंपरा से परिचित होंगे।
2. छात्र सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के व्यक्तित्व एंव कृतित्व से परिचित होंगे।
3. बकरी' नाटक के मानवीय, सामजिक तथा राजनैतिक दृष्टिकोण से परिचित होंगे।
4. छात्रों को कार्यालयीन पारिभाषिक शब्दावली और संक्षिप्तिकरण की जानकारी प्राप्त होगी।

शिक्षण अधिगमप्रक्रिया (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. गुट चर्चा
3. हिंदी के रोजगार परक क्षेत्र को भेंट

अध्ययनार्थ नाटक : 'बकरी' - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना,

Weightage / बल

इकाई 1 हिंदी नाटक और सर्वेश्वरदयाल सक्सेना Credit 1, Lectures-15 Marks - 15

1. आधुनिक हिंदी नाटक परंपरा का संक्षिप्त परिचय
2. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का व्यक्तित्व और कृतित्व
3. नाटककार सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इकाई 2 'बकरी' नाटक Credit 1, Lectures-15 Marks - 15

1. 'बकरी' नाटक की विषयवस्तु
2. नाट्यतत्वों के आधार पर 'बकरी' नाटक की समीक्षा
3. बकरी नाटक का उद्देश्य

इकाई 3 बकरी' नाटक Credit 1, Lectures-15 Marks - 15

1. 'बकरी' नाटक में राजनैतिक और सामाजिक व्यवस्था पर व्यंग
2. 'बकरी' नाटक में चित्रित समस्याएँ
3. बकरी नाटक की प्रासंगिकता

इकाई 4 कार्यालयीन हिंदी Credit 1, Lectures-15 Marks - 15

1. परिशिष्ट -१ कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
2. परिशिष्ट -१ संक्षिप्तिकरण
3. परिशिष्ट -१ पारिभाषिक वाक्यांश

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

(सूचना - इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
2. लघुत्तरीप्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (इकाई क्र. IV पर) (12 अंक)
3. टिप्पणियाँ लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना व्यक्ति और साहित्य - डॉ. अग्रवाल कल्पनाचन्द्र लोक प्रकाशन, कानपुर
2. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. सोनटक्के माधव, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
3. प्रयोजनमूलक हिंदी , डॉ. गोंदरे विनोद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. प्रयोजन मूलक हिंदी प्रक्रिया और स्वरूप , भाटिया कैलाशचन्द्र, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. https://en.wikipedia.org/wiki/

परिशिष्ट 1 : पारिभाषिक शब्दावली

अ. क्र.	अंग्रेजी शब्द	हिंदी भाषा में प्रचिलित पारिभाषिक शब्द
1.	Accountant	लेखाकार
2.	Registrar	कुलसचिव
3.	Manager	प्रबंधक
4.	Secretary	सचिव
5.	Journalist	पत्रकार
6.	Central Social Welfare Board	केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड
7.	Union Public Service commission	बाकी/शेष
8.	Abstract	सार / संक्षेप
9.	Bibliography	संदर्भ ग्रंथ सूची
10.	Inauguration	उद्घाटन
11.	Viva -Voce	मौखिक परीक्षा
12.	Audio -Visual	दृक-श्राव्य
13.	Information Technology	सूचना तंत्रज्ञान
14.	Damand Letter	प्रूफ शोधक /प्रूफ वाचक
15.	Nominee	नामित व्यक्ति
16.	Designation	पदनाम
17.	Export	निर्यात
18.	Bachelor	स्नातक
19.	Just below	ठीक नीचे
20.	Joining report	कार्यग्रहण सूचना / काम पर आने की सूचना
21.	Kindly refer to	कृपया देखे
22.	Cash Department	नगदी विभाग
23.	As Follows	निम्ननुसार
24.	Postman	डाकिया
25.	As soon as	यथाशीघ्र
26.	Government	सरकार
27.	Head	प्रधान
28.	Income Tax	आयकर
29.	Interview	साक्षात्कार
30.	Postman	डाकिया

परिशिष्ट - 2 : संक्षिप्तिकरण

अ. क्र.	हिंदी /अंग्रेजी शब्द	हिंदी भाषा में प्रचिलित संक्षिप्तिकरण
1	अं.वि.स. / I.D.A	अंतर्राष्ट्रीयविकाससंघ / International Development Association
2	अ.प. / N.O.C.	अनापत्ति प्रमाणपत्र / No Objective Certificate
3	कें.अ.ब्यु / C.B.I.	केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो / Central Bureau of Investigation
4	कें.हिं.निं. / C.H.D.	केंद्रीय हिंदी निदेशालय / Central Hindi Derectorate
5	ज.सं.अ. / P.R.O.	जनसंपर्क अधिकारी / Public Relations Officer
6	भा.पु.से. / I.P.S.	भारतीय पुलिस सेवा / Indian Police service
7	भा.दं.सं. / I.P.C.	भारतीय दंड संहिता / Indian Pinal Code
8	भा.रि.बैं. /R.B.I.	भारतीय रिजर्व बैक / Reserve Bank of India
9	म.लो.आ. / M.P.S.C.	महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग / Maharashtra Public Service Commission
10	रा.कै.को. / N.C.C.	राष्ट्रीय कैडेट कोर / National cadet crops
11	व्ही.सी. / V.C.	कुलपति / Vice Chancellor
12	वि.अ.आ. / U.G.C.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग / University Grant Commission
13	वि.स्वा.सं. / W.H.O.	विश्व स्वास्थ्य संघटन / World Health Organization
14	सं.रा.सं. / U.N.O.	संयुक्त राष्ट्र संघटन / United Nations Organization
15	सं.लो.आ. /U.P.S.C.	संघ लोकसेवा आयोग / Union Public Service Commission
16	सा.वा. / D.Litt.	साहित्य वाचस्पति /
17	रा.यो.प. / N.E.T.	राष्ट्रीय योग्यता परीक्षा / National Eiligibilty Test
18	रा.स्त.यों.प./ S.E.T.	राज्य स्तरीय योग्यता परीक्षा / Eiligibilty Test
19	भ.नि.नि. / P. F.	भविष्य निर्वाह निधि / Provident Fund
20	पु.उ.अ./ D.S.P.	पुलिस उप अधीक्षक / Deputy Superintendent of Police
21	म.औ.वि.नि./M.I.D.C.	महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम / Maharashtra Industrial Developme Corporation
22	भा.प्र.से. / I.A.S.	भारतीय प्रशासकीय सेवा / Indian Police service
23	भ्र.नि.अ. / A.C.O.	भ्रष्टाचार निरोध अधिकारी/ Anti - Corruption Officer
24	जि.स.स./ D.C.C.	जिला समन्वय समिति / District Co-Ordination Committee
25	रा.अ.शि.प./N.C.T.E	राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद / National Council For Teacher Education

परिशिष्ट 3 : पारिभाषिक वाक्यांश

अ. क्र.	अंग्रेजी शब्द	हिंदी भाषा में प्रचिलित पारिभाषिक वाक्यांश
1	Approved as proposed Suggested	प्रस्ताव के अनुसार अनुमोदित
2	As soon as possible	यथाशीघ्र
3	By Order	के आदेश से
4	Carry Forward	आगे ले जाना
5	Certified that	प्रमाणित किया जाता है
6	Confirm Please	कृपया पुष्टि करे
7	Derelication of duty	कर्तव्य की अवहेलना करे
8	Duty Complied	विधिवत अनुपाल किया जाए
9	Give Details	विवरण प्रस्तुत कीजिए
10	Hard and Fast rule	सुनिश्चित नियम
11	Immediate action	तत्काल कारवाई
12	Enclosure to the Letter	पत्र का संलग्नक / अनुलग्नक
13	For perusal	अवलोकनार्थ
14	I agree	मैं सहमत हूं
15	In due case	यथा समय / यथावधि
16	Kindly acknowledge receipt	कृपया रसीद भेजें
17	May be sanctioned	स्वीकृती दी जाए
18	Necessary action may be taken	आवश्यक कार्यवाही की जाए
19	On probation	परिविक्षाधीन
20	Posting and transfer	तैनाती और स्थानांतरण
21	Subsequent action	परवर्ती कार्यवाही
22	Through proper channel	उचित माध्यम से
23	Verified and found correct	सत्यापित किया और सही पाया
24	Valid reason may be given	सही कारण दिए जाएं
25	Zonal Advisory committee	अंचल / मंडल परामर्श समिति

<table>
<tr><td rowspan="5"></td><td>Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur
B. A.- II (Hindi), Semester - III</td></tr>
<tr><td>Vertical : GE/OE</td></tr>
<tr><td>Course Code: G03-GE-OE-301</td></tr>
<tr><td>Course Name: Hindi</td></tr>
<tr><td>Title of Paper: हिंदी सिनेमा</td></tr>
</table>

*Teaching Scheme Lectures: 30 Hours, 02 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With effect from June - 2025	*Examination Scheme UA:- 30 Marks CA:- 20 Marks

प्रस्तावना / Preamble

मानव समुदाय की संवेदनशीलता को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता साहित्य में है। साहित्य और सिनेमा का गहरा संबंध है। इसका कारण दोनों का संबंध जनजीवन से है। सिनेमा अन्य कलाओं की तुलना में आधुनिक कला है। नवीनता होकर भी यह अत्यंत प्रभावशाली जनधर्मी कला है। इससे सिनेमा का समाज से वही नाता है, जो साहित्य और समाज से है। सिनेमा अन्य कलाओं की तरह मनोरंजन प्रधान होने के साथ-साथ जनसंचार एवं जनशिक्षा का प्रभावशाली माध्यम रहा है। सिनेमा के विकास में साहित्य की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। अनेक साहित्यिक रचनाओंने सिनेमा के लिए कथातत्व दिया है। अत: साहित्य एवं सिनेमा के अत: संबंधो को समझते हुए फिल्मांतरण हुए हिंदी साहित्य का अध्ययन आवश्यक है। साहित्य सिनेमा की नीव है, जिसे अवगत करने के दृष्टि से पाठयक्रम निर्धारित किया है।

पाठयक्रम के उद्देश्य / Course Objective

1. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी सिनमा के स्वरूप से छात्रों को परिचित कराना।
3. सिनेमा की निर्मिति प्रक्रिया से परिचित कराना।
4. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत कराना।

पाठयक्रम सीखाने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्र परिचित होंगे।
2. हिंदी सिनेमा के स्वरूप को समझेंगे।
3. सिनेमा की निर्मिति प्रक्रिया से परिचित होंगे।
4. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत होंगे ।

शिक्षा अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कथा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. अध्यापन में विविध सिनेमा दिखाकर उस पर परिचर्चा

अध्ययनार्थ विषय - Weight age / **बल**

ईकाई - 1. सिनेमा सैद्धांतिक विवेचन Credit - 1 Lecture -15 Marks - 15

1. सिनेमा का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. सिनेमा के प्रकार एवं तत्व
3. सिनेमा की निर्माण - प्रक्रिया
4. सिनेमा जनमाध्यम का रूप -स्वरुप
5. सिनेमा समीक्षा में आवश्यक तत्व (Rivew)

ईकाई - 2. हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास Credit - 1 Lecture -15 Marks - 15

1. हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा का परिचय
2. हिंदी सिनेमा में तकनीकी विकास
3. हिंदी सिनेमा और समाज
4. वर्तमान समय में हिंदी सिनेमा का बदलता स्वरूप
5. सिनेमा का महत्त्व

संदर्भ ग्रंथ:-

(1) हिंदी सिनेमा का सफर - अनिल भार्गव

(2) साहित्य सिनेमा और समाज - पूरनचंद भार्गव

(3) हिंदी सिनेमा का इतिहास ,संजीव श्रीवास्तव ,प्रकाशन विभाग,2004

(4) सिनेमा कल, आज, कल - विनोद भारद्वाज

(5) हिंदी सिनेमा का जादुई सफर - प्रतापसिंह

(6) सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य - डॉ. गोकुल क्षीरसागर

<u>प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

(1) बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठयक्रम पर)	- 06 अंक
(2) लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित (6 में से 4 पूरे पाठयक्रम पर)	- 06 अंक
(3) टिप्पणियाँ लिखीए (4 में से 2 पूरे पाठयक्रम पर)	- 06 अंक
(4) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1 पूरे पाठयक्रम पर)	- 12 अंक
	कुल अंक = 30

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

B. A.- II (Hindi), Semester - III

Vertical : VSC-I

Course Code : G03-VSC-301

Course Name: Hindi

Title of Paper: वृत्तांत लेखन

*Teaching Scheme	With effect from June - 2025	*Examination Scheme
Lectures: 30 Hours, 02 Credits OR **Practical:** 00 Hours, 00 Credit		UA:- 30 Marks CA:- 20 Marks

प्रस्तावना / Preamble

वृत्तांत लेखन को समाचार लेखन या रिपोर्ताज भी कहा जाता है। आज का युग जन सम्पर्क माध्यमों की अत्यधिक गतिशीलता का युग है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की संख्या और उपयोगिता निरन्तर बढ़ती जा रही है, फिर भी मुद्रित माध्यमों का महत्त्व कम नहीं हुआ है। वृत्तांत लेखन या समाचार-लेखन अपने आप में एक कला है। इसमें अनेक बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। विभिन्न विषयों, सूचनाओं, गतिविधियों को कम से कम शब्दों में प्रभावशाली रूप से पाठकों तक पहुँचाना वृत्तांत-लेखन का मूल उद्देश्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objectives

1. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवी दृष्टिकोण विकसित करना।
2. छात्रों में जीवन के प्रति सकारात्मकता निर्माण करना।
3. छात्रों को अपने उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक बनाना।
4. वृत्तांत लेखन या समाचार लेखन के प्रति अभिरूचि और समीक्षा-दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम सिखने के परिणाम / Course out comes

1. छात्रों में राष्ट्रीय, सामाजिक एवं मानवी दृष्टिकोण विकसित होगा।
2. छात्रों में जीवन के प्रति सकारात्मकता निर्माण होगी।
3. छात्र अपने उत्तर दायित्व के प्रति जागरूक होंगे।
4. वृत्तांत लेखन या समाचार लेखन के प्रति अभिरूचि और समीक्षा-दृष्टि विकसित होगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching-Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. लेखन क्रिया।

अध्ययनार्थ विषय Weightage / बल

इकाई 1 वृत्तांत लेखन **Credit - 1 Lectures - 15 Marks - 15**

1. वृत्तांत लेखन: अर्थ, परिभाषा, स्वरुप एवं व्याप्ति
2. वृत्तांत लेखन: तत्व
3. वृत्तांत लेखन: विधि एवं भाषा
4. वृत्तांत लेखन: विविध सोपान
5. वृत्तांत लेखन: विशेषताएं एवं महत्व

इकाई 2 **वृत्तांत लेखन प्रत्याक्षिक कार्य** **Credit - 1 Lectures - 15 Marks - 15**

1. महाविद्यालयीन विविध समारोहों का वृत्तांत-लेखन
2. सामाजिक समारोहों का वृत्तांत-लेखन
3. प्राकृतिक आपदाओं का वृत्तांत-लेखन
4. विविध दुर्घटनाओं का वृत्तांत-लेखन

संदर्भ ग्रंथ सूची / List of Reference Books

1. आधुनिक निबंध, अनुच्छेद तथा पत्र लेखन- कविता, गुडविल्स प्रकाशन, नई दिल्ली।
2.

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 3. टिप्पणियाँ लिखिए (4 मेंसे 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
	कुल अंक = 30

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ॥ विद्यया संपन्नता ॥ NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A.- II (Hindi), Semester - III** Vertical :AEC-L2 MIL Course Code: Course Name: Hindi Title of Paper: आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी

*Teaching Scheme Lectures: 30 Hours, 02 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With effect from June - 2025	*Examination Scheme UA:-30 Marks CA:-20 Marks

प्रस्तावना / Preamble

भारतीय भाषाएँ समृद्ध भाषाई धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भारत में लगभग 22 आधिकारिक भाषाएँ और कई अन्य बोलियाँ और उपभाषाएँ बोली जाती हैं। इंडो-आर्यन भाषाएँ, द्रविड़ भाषाएँ, आस्ट्रो-एशियाई भाषाएँ, तिब्बती-बर्मी भाषाएँ, अंडमानी और निकोबारी भाषाएँ भारतीय भाषाओं के प्रमुख परिवार है। यह भाषाएँ प्राचीन और मध्ययुगीन इतिहास से जुड़ी हुई हैं। भारतीय भाषाएँ शिक्षा और संचार के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारतीय भाषाएँ आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय भाषाएँ और हिंदी भाषा के बीच एक गहरा संबंध है। हिंदी भारत की एक प्रमुख भाषा है। हिंदी भाषा इंडो-आर्यन भाषा परिवार का एक हिस्सा है, जो भारतीय भाषाओं के परिवार में एक प्रमुख स्थान रखता है। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है, जो एक प्राचीन और विकसित लिपि है। हिंदी भाषा पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है, जो इसकी शब्दावली और व्याकरण में दिखाई देता है। इसकी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियाँ हैं- अवधी, ब्रज, और राजस्थानी आदि। हिंदी भाषा ने राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज हिंदी शिक्षा,ज्ञान-विज्ञान, तकनीकि और संचार की बहषा बनी है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Objective of the Course

1. छात्रों को भाषा का ज्ञान प्रदान करना।
2. छात्रों को हिंदी भाषा का परिचय करना।
3. छात्रों को भाषा और संस्कृति के बीच संबंधों का ज्ञान प्रदान करना।
4. हिंदी की साहित्यिक कृतियों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Outcome

1) छात्र को भाषा का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
2) छात्र हिंदी भाषा से परिचित होते हैं।
3) छात्र भाषा और संस्कृति के बीच संबंधों का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
4) छात्र हिंदी की साहित्यिक कृतियों से परिचित होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. गृह स्वाध्याय

अध्यनार्थ विषय:- Weight age / बल

इकाई - 1 भारतीय भाषाएँ Credit-1 Lecture-15

Marks - 15

1. भारतीय भाषाएँ
2. भारतीय भाषाओं का उद्भव और विकास
3. आधुनिक भारतीय भाषाओं का संक्षिप्त परिचय

इकाई - 2 हिंदी भाषा और बोलियाँ Credit-1 Lecture-15

Marks - 15

1) हिंदी शब्द की व्युत्पत्ति एवं अर्थ
2) हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
3) हिंदी का भौगोलिक विस्तार-उपभाषाएँ एवं बोलियाँ

संदर्भ ग्रंथ :-

1. भारतीय भाषाएँ - डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी
2. भारतीय भाषाओं का इतिहास - डॉ. सुरेश चंद्र बारुआ
3. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. रामविलास शर्मा
4. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नंददुलारे वाजपेयी
5. हिंदी भाषा और साहित्य की मूल बातें - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
6. भारतीय भाषाओं का शब्दकोश - डॉ. रामविलास शर्मा
7. भारतीय भाषाओं का व्याकरण - डॉ. भोलानाथ तिवारी

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 3. टिप्पणियाँ लिखिए (4 मेंसे 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)

कुल अंक = 30

<table>
<tr><td rowspan="1"></td><td colspan="2">Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur
B. A.- II (Hindi), Semester - III
Vertical : FP
Course Code:
Course Name: Hindi
Title of Paper: क्षेत्र परियोजना</td></tr>
<tr><td>*Teaching Scheme
Lectures: 30 Hours, 02 Credits
OR
Practical: 00 Hours, 00 Credit</td><td>With effect from June - 2025</td><td>*Examination Scheme
UA:- 00 Marks
CA:- 50 Marks</td></tr>
</table>

सूचनाएँ-

1) छात्रों को PF (Filed Project) किसी एक विषय पर कार्य पूरा कराना है।
2) छात्रों को किए कार्य का लघु प्रबंध अपने महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।
3) क्षेत्र परियोजना के लिए अध्यापक का मार्गदर्शक होना आनिवार्य है।
4) जो छात्र परियोजना कार्य पूरा नहीं करेगा वह वर्ष इस प्रश्नपत्र में अनुत्तीर्ण होगा।

PF (Filed Project) **क्षेत्र परियोजना**:-

हिंदी विषय में लघु शोध परियोजना के लिए निम्नलिखित कुछ विषयों का चयन किया जा सकता है:-

1) **भाषा और समाज**:- भाषा के विभिन्न पहलुओं का समाज में प्रभाव, भाषा और सामाजिक बदलाव, भाषा की भूमिका आदि पर अध्ययन कर सकते हैं।
2) **लोककथा और कहानी**:- भारतीय लोककथाओं या कथाओं का अध्ययन करके उनके साहित्यिक और सामाजिक पहलुओं का अनुसंधान किया जा सकता है।
3) **भाषा और मीडिया**:- मीडिया के माध्यम से भाषा के प्रयोग का प्रभाव, भाषा के उपयोग में बदलाव, और भाषा का तकनीकि पक्ष पर अध्ययन किया जा सकता है।
4) **भाषा और संवाद**:-भाषा के माध्यम से संवाद की प्रक्रिया, भाषा के उपयोग में संवाद की भूमिका, और संवाद की विविधता पर अध्ययन किया जा सकता है।
5) **भाषा और साहित्यिक संरचना**:-भाषा के प्रयोग में साहित्यिक संरचना की भूमिका, उपयोग की जाने वाली शैली और तकनीकों का अध्ययन किया जा सकता है।
6) **भाषा और भाषा शिक्षण**:-भाषा शिक्षण के तरीके, भाषा सीखने की प्रक्रिया, और भाषा सिखाने में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों का अध्ययन किया जा सकता है।
7) **भाषा और सांस्कृतिक आयाम**:-भाषा के सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन, भाषा का सांस्कृतिक बदलाव, और भाषा के साथ संबंधित संस्कृतिक मूल्यों का मूल्यांकन किया जा सकता है।

प्रत्यक्ष कार्य :-

1) मराठी एवं हिंदी संत साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन कर लघु प्रबंध प्रस्तुत करना।
2) स्थानीय भाषाओं का अध्ययन कर लघु प्रबंध प्रस्तुत करना ।
3) हिंदी-मराठी/ कन्नड/अन्य भाषाओं के मुहावरे, लोकोक्तियाँ और कहावतों (कम से कम 50) का तुलनात्मक अध्ययन कर लघु प्रबंध प्रस्तुत करना।
4) हिंदी उच्चारण एवं लेखन (वर्तनी) का सर्वेक्षण (उच्च माध्यमिक एवं स्नातक स्तर) कर लघु प्रबंध प्रस्तुत करना।
5) स्थानीय रचनाकार एवं लोक कलाकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तैयार करना। (किसी भी भाषा का हो लेकिन लघु प्रबंध हिंदी भाषा में होना अनिवार्य) साक्षात्कार लेकर लिखित एवं ऑडियो -विडिओं के रूप में जमा करना।
6) स्थानीय लोकगीतों का संग्रह लिखित एवं ऑडियो -विडिओ के रूप में जमा करना और महाविद्यालय को प्रस्तुत करना।

सूचना- सभी प्रकार के क्षेत्र परियोजना कार्य लिए एक मार्गदर्शक होना आवश्यक है।

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर
सोलापूर विद्यापीठ
।। विद्यया संपन्नता ।।
NAAC Accredited-2022
'B++' Grade (CGPA-2.96)

Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Name of faculty: Humanities

मानव्य विद्याशाखा

CBCS & NEP - 2020 Syllabus

चयनाधारित श्रेयांक पद्धति एवं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के नुसार पाठ्यक्रम

Name of the Course

Hindi B. A. Part - II Sem. - IV

हिंदी बी. ए. भाग - 2 सत्र - 4

Papers

प्रश्नपत्र

DSC, Minor, GE/OE, VSC, SEC, AEC-L2 (MIL), CEP

With effect from June 2025

जून 2025 से आरंभ

B.A.-II Year, Semester- IV

बी. ए. द्वितीय वर्ष हिंदी, सत्र – चतुर्थ

(Choice Based Credit- System)

सी. बी. सी. एस. प्रणाली के अनुसार

National Education Policy - 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020

शै. वर्ष- 2025-26 से

Level	Code	Title of the paper an code	Semester Exam.			Credit	Lectures	Total Con Credit-s	Degree
5.0	Sem.- IV		Theory		Total				
	G03	Major Mandatory	U.A.	C.A.	100				
	G03- DSC	हिंदी पद्य साहित्य एवं व्याकरण, G03-DSC1-0401	60	40	100	4.0	60	4.0	3 Years
	G03-DSC-	भाषा विज्ञान, G03-DSC1-0402	60	40	100	4.0	60	4.0	
	G03-Mino IV	आधुनिक हिंदी गद्य एवं वाणिज्य पत्राचार G03-DSC2-0401	60	40	100	4.0	60	4.0	
	G03-GE/O	साहित्य और सिनेमा G03-GE-OE-401	30	20	50	2.0	30	2.0	
	G03-VSC-	पत्राचार एवं संदर्भ स्रोत G03-VSC-401	30	20	50	2.0	30	2.0	
	G03-SEC	समाचार लेखन G03-SEC-401	30	20	50	2.0	30	2.0	
	G03-AEC- (MIL)	आधुनिक भारतीय भाषा हिंदी	30	20	50	2.0	30	2.0	
	G03- CEP	सामाजिक प्रतिबद्धता	00	50	50	2.0	30	2.0	
		Total				20.0	300	20.0	

<table>
<tr><td rowspan="6"></td><td>Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur
B. A.– II (Hindi), Semester - IV</td></tr>
<tr><td>Vertical : DSC – 5</td></tr>
<tr><td>Course Code: G03-DSC1-0401</td></tr>
<tr><td>Course Name: Hindi</td></tr>
<tr><td>Title of Paper: हिंदी पद्य साहित्य एवं व्याकरण</td></tr>
</table>

*Teaching Scheme Lectures: 60 Hours, 04 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With effect from June – 202	*Examination Scheme UA:- 60 Marks CA:- 40 Marks

प्रस्तावना / Preamble

भारतीय जनमानस की वैचारिक धरोहर आध्यात्म के आधार पर पल्लवित हुई दिखाई देती है। भारतीयता की व्याख्या में आध्यात्म एवं दार्शनिक पहलु अनायास ही प्रतिबिंबित होते है। अतः भारतीय समाज एवं संस्कृति के अध्ययन में संत कवि एवं समाज सुधारकों का अमिट प्रदेय पाया जाता है। मध्यकालीन संत साहित्य के अध्ययन से तत्कालीन समाज की संरचना को अधोरेखित किया जा सकता है। भक्तिकाल का संत साहित्य लोक कल्याण एवं लोक जागरण की वाणी लेकर मुखरित हुआ । इस काल की साहित्यिक रचनाओं के कारण भारतीय समाज की भावनात्मकता, आध्यात्मिकता तथा सांस्कृतिकता को बल प्राप्त हुआ दिखाई देता है। रीतिकालीन काव्य शृंगार एवं वीरता से समृद्ध है। तत्कालीन समाज में उभरी स्थितियाँ भारतीय जनमानस की गौरवशाली परंपरा को उद्‌घाटित करती है। साथ ही भाषाई परिवर्तन के माहौल में हिंदी की व्याकरणिक स्थितियों को समझना भी क्रम प्राप्त है। अतः इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु 'हिंदी पद्य साहित्य एवं व्याकरण' यह प्रश्नपत्र स्नातक स्तर के छात्रों के लिए महत्त्वपूर्ण है।

<u>पाठ्यक्रम के उद्देश्यः</u> (Objective of the Course)

1. छात्रों को मध्ययुगीन सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक स्थितियों से अवगत कराना।
2. निर्गुण तथा सगुण काव्यधाराओं के माध्यम से तत्कालीन समाज की अवस्था से अवगत कराना।
3. रीतिकालीन काव्य के माध्यम से शृंगार एवं वीर रस की महत्ता से अवगत कराना।
4. समाज सुधार में मध्ययुगीन संत कवियों के प्रदेय को उद्‌घाटित करना।

पाठ्यक्रम सिखाने के परिणाम : (Course Outcome)

1. छात्र मध्ययुगीन सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक स्थितियों से अवगत होगे।
2. निर्गुण तथा सगुण काव्यधाराओं के माध्यम से तत्कालीन समाज की अवस्था से अवगत होगे।
3. रीतिकालीन काव्य के माध्यम से शृंगार एवं वीर रस की महत्ता से अवगत होगे।
4. समाज सुधार में मध्ययुगीन संत कवियों के प्रदेय से अवगत होगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया : (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. गृह स्वाध्याय
3. समूह चर्चा
4. काव्य पाठ

अध्यानार्थ पाठ्य पुस्तक : मध्ययुगीन हिंदी काव्य, पुनीत बुक्स, जयपुर

<u>**अध्ययनार्थ विषय**</u>	**Weightage / बल**
इकाई- 1 मध्ययुगीन हिंदी काव्य की पृष्ठभूमि	**Credit 1, Lectures-15**
1) मध्ययुगीन हिंदी काव्यधाराओं का संक्षिप्त परिचय	**Marks - 15**
2) मध्ययुगीन हिंदी काव्य का महत्व	
3) मध्ययुगीन हिंदी काव्य की विशेषताएँ	
इकाई- 2 मध्ययुगीन हिंदी संत कवि	**Credit 1, Lectures-15**
1) कबीर – 10 दोहे	**Marks - 15**
2) नामदेव - 10 पद	
3) संत तुकडोजी – 05 पद	
इकाई- 3 मध्ययुगीन हिंदी कवि	**Credit 1, Lectures-15**
1) घाघ – 10 पद	**Marks - 15**
2) रहीम – 10 दोहे	
3) बिहारी – 10 दोहे	
इकाई- 4 व्याकरण	**Credit 1, Lectures-15**
1) मानक वर्तनी के नियम	**Marks – 15**
2) विराम चिह्न	
3) प्रूफ शोधन चिह्न	

<u>**संदर्भ-ग्रंथ सूचीः-**</u>

1. आ.रामचंद्र शुक्ल, जायसी ग्रंथावली - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. डॉ.भगवानदास तिवारी, संक्षिप्त भूषण - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी, कबीर – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रामधारी सिंह ‘दिनकर’, काव्य की भूमिका – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. मैनेजर पांडये, भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. आबिद रिजवी, रहीम के दोहे – मनोज प्रकाशन, दिल्ली
8. प्रभाकर सदाशिव ‘पंडित’, महाराष्ट्र के संतों का हिंदी काव्य, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

9. संपा. पं. हरिहरप्रसाद त्रिपाठी, घाघ और भड्डुरी की कहावतें, बिंदेश्वरी प्रसाद बुक्सेलर, बनारस
10. आचार्य विनायमोहन शर्मा, हिंदी को मराठी संतों की देन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
11. प्रभाकर माचवे, हिंदी और मराठी का निर्गुण संत-काव्य, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
12. डॉ.अशोक कामत, मराठी संतों की हिंदी वाणी,
13. घाघ और भड्डुरी की कहावतें-सं. पंडित हरिप्रसाद त्रिपाठी, बिंदेश्वरी प्रसाद, बुक सेलर्स, बनारस

<u>वेब संदर्भ</u> (इंटरनेट)

1. **https://hi.wikipedia.org/wiki/bhaktikal**
2. Google Search – Hindi Vyakaran

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
2. लघुत्तरीप्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (इकाई क्र. IV पर)	(12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
	कुल अंक = 60

<table>
<tr><td rowspan="1"></td><td colspan="2">Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur
B. A.– II (Hindi), Semester –IV
Vertical : DSC - 6
Course Code: G03-DSC1-0402
Course Name: Hindi
Title of Paper: भाषा विज्ञान</td></tr>
<tr><td>*Teaching Scheme
Lectures: 60 Hours, 04 Credits
OR
Practical: 00 Hours, 00 Credit</td><td>With effect from June – 2025</td><td>*Examination Scheme
UA:- 60 Marks
CA:- 40 Marks</td></tr>
</table>

प्रस्तावना / Preamble

मन और मस्तिष्क की संयुक्त प्रक्रिया से उत्पन्न विचारों की मौखिक प्रकट अभिव्यक्ति भाषा है। भाषा प्रतीकात्मक होती हैं, जिसके द्वारा मानव अपने विचार दूसरों पर प्रकट करता है। उस वैचारिक आदान-प्रदान की प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन करने की विशिष्ट पध्दति भाषाविज्ञान है। भाषाविज्ञान को कंपरेटीव ग्रामर, कंपरेटीव फिलालोजी आगे चलकर फिलालोजी तथा लिंग्विस्टिक्स नाम दिए गए। आधुनिक समय में भाषाविज्ञान, भाषाशास्त्र, भाषा विचार, भाषालोचन तथा तुलनात्मक भाषाविज्ञान आदि नाम दिए गए। भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन करने की प्रक्रिया भाषाविज्ञान है। भाषा की उत्पत्ति, गठन, प्रकृति एवं विकास आदि की सम्यक व्याख्या करते हुए सिध्दांतों का निर्धारण भाषाविज्ञान करता है। भाषा के रूप में ध्वनि का उच्चारण, संवहन और श्रवण की प्रक्रिया से मनुष्य अनभिज्ञ है।इसे जानने के लिए मनुष्य की जिज्ञासा निरंतर बनी हुई है। इस जिज्ञासा की पूर्ति भाषाविज्ञान करता है। भाषाविज्ञान की अनुप्रयुक्तता विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में भी दिखाई देती है। उसीके सहारे आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे संसाधनों का विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य/ (Objective of the Course)

1. भाषा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान कराना।
2. भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय कराना।
3. ध्वनि उच्चारण की शुध्दता एवं प्रक्रिया से परिचित कराना।
4. पद और अर्थ से परिचित कराना।
5. संगणकीय भाषा विज्ञान का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम: / (Course Outcome)

1) छात्रों में भाषा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टि विकसित होंगी।
2) भाषा विज्ञान से परिचित होंगे।
3) ध्वनि उच्चारण की शुध्दता एवं प्रक्रिया से परिचित होंगे।
4) पद और अर्थ से परिचित होंगे।
5) संगणकीय भाषा विज्ञान से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया: (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. गूट चर्चा
3. भाषा प्रयोगशाला कार्य

अध्ययनार्थ विषय - **Weight age / बल**

इकाई- 1: भाषा विज्ञान **Credit-1 Lecture-15**

Marks - 15

1. भाषा विज्ञानः- परिभाषा एवं स्वरुप
2. भाषा विज्ञानः- नामकरण
3. भाषा विज्ञान:- उपयोगिता

इकाई- 2: ध्वनि विज्ञान और पद विज्ञान **Credit-1 Lecture-15**

Marks - 15

1. ध्वनि विज्ञान – ध्वनि का अर्थ एवं परिभाषा
2. ध्वनि यंत्र और उसकी कार्यप्रणाली (उच्चारण प्रक्रिया),
3. पदविज्ञान:- शब्द और पद, संबंध तत्व के प्रकार

इकाई- ३ : वाक्य विज्ञान **Credit-1 Lecture-15**

Marks - 15

1. वाक्य की परिभाषा
2. वाक्य की आवश्यकताएँ
3. अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार

इकाई- 4 : अर्थ विज्ञान **Credit-1 Lecture-15**

Marks – 15

1. अर्थ विज्ञान:- परिभाषा एवं स्वरूप
2. अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ
3. अर्थ परिवर्तन के प्रमुख कारण

संदर्भ ग्रंथ :-

1) भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2) हिंदीः उद्भव, विकास और रूप -डॉ. हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहबाद
3) भाषा और भाषा विज्ञान -तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन,कानपुर
4) भाषा विज्ञान - डॉ.अंबादास देशमुख, आरती प्रकाशन, औरंगाबाद

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहु विकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4 पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)

कुल अंक = 60

<table>
<tr><td colspan="2" rowspan="1"></td><td colspan="2">PunyashlokAhilyadeviHolkar Solapur University, Solapur
B. A.– II (Hindi), Semester - IV
Vertical : Minor - 4
Course Code: G03-DSC2-0401
Course Name: Hindi
Title of Paper: आधुनिक हिंदी गद्य एवं वाणिज्य पत्राचार</td></tr>
<tr><td>*Teaching Scheme
Lectures: 60 Hours, 04 Credits
OR
Practical: 00 Hours, 00 Credit</td><td colspan="2">With effect from June – 2025</td><td>*Examination Scheme
UA:- 60 Marks
CA:- 40 Marks</td></tr>
</table>

प्रस्तावना / Preamble

हिंदी का गद्य साहित्य विषय वैविध्य की दृष्टि से काफी समृद्ध रहा है। वर्तमान की विभिन्न परिस्थितियों एवं समस्याओं का चित्रण करना इसका मुख्य उद्देश्य रहा है। हिंदी गद्य साहित्य वैविध्यपूर्ण है, जिसमें उपन्यास, नाटक, कहानी, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी के साथ-साथ संस्मरण, रेखाचित्र, पत्र, डायरी, यात्रा-वर्णन, रिपोर्ताज, साक्षात्कार आदि गद्येतर विधाएँ बहुचर्चित हो रही है। इस काल की कुछ ऐसी ही चर्चित रचनाओं का अध्ययन किए बिना इस काल के गद्य साहित्य का साहित्यिक मूल्यांकन करना उचित नहीं लगता। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में इन्हीं गद्य विधाओं को अध्ययन के लिए रखा है। इन रचनाओं के माध्यम से छात्रों में मानवी मूल्यों के प्रति सजगता बढ़ने में सहायता होगी साथ ही सामाजिक समस्याओं का चित्रण करनेवाली कुछ रचनाओं को सम्मिलित करने का मुख्य उद्देश्य रहा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. छात्रों को हिंदी गद्य साहित्य से परिचित कराना।
2. छात्रों में गद्य साहित्य के प्रति अभिरुचि और समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।
3. छात्रों में साहित्यिक एवं मानवीय मूल्य विकसित करना।
4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पना शीलता को बढ़ावा देना।

पाठयक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. छात्र हिंदी गद्य साहित्य से परिचित होगे।
2. छात्रों में गद्य साहित्य के प्रति अभिरुचि और समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी।
3. छात्रों में साहित्यिक एवं मानवीय मूल्यों का विकास होगा।
4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पना शीलता को बढ़ावा मिलेगा।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान ।
2. सामूहिक चर्चा।
3. गद्यकार और गद्य विधाओं पर कक्षा संगोष्ठी आयोजन।

अध्ययनार्थ विषय – **Weightage / बल**

इकाई – I **Credit 1 Lectures – 15**

Marks - 15

1. पूस की रात (कहानी) - प्रेमचंद
2. पगडंडियों का जमाना (निबंध) - हरिशंकर परसाई
3. बचाओ, मुझे डॉक्टरों से बचाओ (एकांकी) - शंकर पुणतांबेकर

इकाई – II **Credit 1 Lectures – 15**

Marks - 15

1. हिंगवाला (रेखाचित्र) - सुभद्रा कुमारी चौहान
2. अपने-अपने पिंजरे (आत्मकथा अंश) - मोहनदास नैमिश राय
3. सबिया (संस्मरण) - महादेवी वर्मा

इकाई – III **Credit 1 Lectures – 15**

Marks - 15

1. संसार पुस्तक है (पत्र) - पं. जवाहरलाल नेहरू
2. साहसिक काम की कीमत चुकानी होगी (साक्षात्कार)– गोरख थोरात की भालचंद्र नेमाडे से बातचित
3. बहता पानी निर्मला (यात्रा-वर्णन) - अज्ञेय

इकाई - IV **वाणिज्य पत्राचार** **Credit 1 Lectures – 15**

Marks - 15

1. पूछताछ पत्र
2. क्रयादेश पत्र
3. भुगतान पत्र

संदर्भ:-

1. हिंदी कहानी का विकास (भाग – 1 और 2) – गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
3. हिंदी कहानी का इतिहास – डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अपने अपने पिंजरे- मोहनदास नैमिशराय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. पिता के पत्र पुत्री के नाम- पं. जवाहरलाल नेहरू
6. इंडिया टुडे- साहित्यिक वार्षिकी 2019
7. हिंदी का यात्रा साहित्य – विश्वमोहन तिवारी, आलेख प्रकाशन, नवीन शहादरा, दिल्ली - 110032
8. डॉ. अंबादास देशमुख – प्रयोजनमूलक हिंदी : आधुनातन आयाम - शैलजा प्रकाशन, कानपूर
9. डॉ. के. पी. शहा मेहता - व्याहारिक पत्रलेखन, पब्लिशिंग हाऊस, पुणे

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहु विकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 2. लघुत्तरीप्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (इकाई 4 पर)	(12 अंक)
प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)

कुल अंक = 60

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ॥ विद्यया संपन्नता ॥ NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A.– II (Hindi), Semester - IV** **Vertical : GE / OE** **Course Code: G03-GE-OE-401** **Course Name:** Hindi **Title of Paper: हिंदी साहित्य और सिनेमा**

***Teaching Scheme** **Lectures:** 30 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June – 2025	***Examination Scheme** **UA:-** 30 Marks **CA:-** 20 Marks

प्रस्तावना / Preamble

जीवन व कला का संबंध पुरातन रहा है। सिनेमा यह मानव जीवन को प्रतिबिंबित करने का प्रभावी माध्यम एवं लोकप्रिय कला है। साहित्य में अभिव्यक्त मानवी जीवन, मानवीय संबंध, मन - मस्तिष्क, शिक्षा, कला, संस्कृति, इतिहास, राजनीति आदि विभिन्न विषयों को शिक्षित के साथ अशिक्षित तक प्रेषित करने का बड़ा कार्य सिनेमा द्वारा हुआ है। मानवी जीवन पर सिनेमा का प्रभाव सिनेमा के अवतरण से वर्तमान समय तक लक्षणीय रहा है। साहित्य व सिनेमा का संबंध, कलात्मक अभिव्यक्ति, सामाजिक पहलू, साहित्यकृति का सिनेमा रूपांतरण आदि अध्ययन विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। इनसे विद्यार्थी परिचित हो; इस दृष्टि से यह पाठ्यक्रम निर्धारित किया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. साहित्यिक कृति और सिनेमा से छात्रों को परिचित कराना।
2. साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा का अध्ययन कराना।
3. साहित्य और सिनेमा के माध्यम से समाज के पहलुओं का अध्ययन कराना।
4. छात्रों को साहित्यिक कृति और सिनेमा की कलात्मक अभिव्यक्ति को समझाना ।

पाठयक्रम सीखने के परिणाम / Course Outcomes

1. साहित्यिक कृति और सिनेमा से छात्र परिचित होंगे।
2. साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा का छात्र अध्ययन करेंगे।
3. साहित्य और सिनेमा के माध्यम से समाज के पहलुओं का अध्ययन करेंगे।
4. छात्र साहित्यिक कृति और सिनेमा की कलात्मक अभिव्यक्ति को समझेंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सिनेमा अनुभव
3. सिनेमा पर चर्चा

अध्ययनार्थ विषय - **बल / Weightage**

इकाई – I सिनेमा रूपांतरण : सैद्धांतिक अध्ययन **Credit 1 Lectures-15**

Marks - 15

1. साहित्य कृति और सिनेमा रूपांतरण का सैद्धांतिक विवेचन
2. साहित्य और सिनेमा का संबंध
3. सिनेमा रूपांतरण की प्रक्रिया

इकाई - II साहित्यिक कृतियों के सिनेमा रूपांतरण का अध्ययन **Credit 1 Lectures-15**

Marks - 15

1. रजनी गंधा – निर्देशक : बासु भट्टाचार्य, कृति – मन्नू भंडारी (यही सच है)
2. तीसरी कसम - निर्देशक : बासु भट्टाचार्य, कृति – फणीश्वर नाथ 'रेणु' (मारे गये गुलफाम)

संदर्भ:-

1. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य- डॉ. गोकुल क्षिरसागर, विकास प्रकाशन कानपुर
2. सिनेमा का कल और आज – विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय सिनेमा एक अनंतयात्रा – प्रसून सिन्हा, नटराज प्रकाशन, दिल्ली
4. सिनेमा समकालीन सिनेमा – अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1) बहुविकल्पी 06 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 2) लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 3) टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 4) दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)

कुल अंक = 30

<table>
<tr><td>पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर
सोलापूर विद्यापीठ
।। विद्यया संपन्नता ।।
NAAC Accredited-2022
'B++' Grade (CGPA-2.96)</td><td colspan="2">Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur
B. A.– II (Hindi), Semester – IV
Vertical : VSC - II
Course Code: G03-VSC-401
Course Name: Hindi
Title of Paper: पत्राचार एवं संदर्भ स्रोत</td></tr>
<tr><td>*Teaching Scheme
Lectures: 30 Hours, 02 Credits
OR
Practical: 00 Hours, 00 Credit</td><td>With effect from June – 2025</td><td>*Examination Scheme
UA:- 30Marks
CA:- 20 Marks</td></tr>
</table>

प्रस्तावना / Preamble

प्रयोजनमूलक हिंदी एक कार्यालयींन हिंदी से संबधित पाठ्यक्रम है। राजभाषा हिंदी, प्रशासन और कार्यालय की भाषा के रूप में विकसित हुई। सूचना प्रौद्योगिकी के रूप में इसका महत्व और प्रासंगिकता अधिक बढ़ गयी है। हिंदी भाषा जनसंचार माध्यमों में निरंतर नए आयामों को उद्घाटित कर रही है परंपरागत संदर्भ स्रोतों के सिवा अब भाषा और लिपि के नए संसाधन भी विकसित हो रहे हैं। हिंदी भाषा के इस प्रयोजनमूलक रूप का और उसके विविध आयामों का अध्ययन महत्वपूर्ण है। हिंदी वैश्वीकरण के युग में विश्वमंच पर हिंदी की स्वीकार्यता को देखकर हर क्षेत्र में सरकारी कार्यालय, जनसंचार माध्यम तथा शैक्षिक संस्थानों में सभी जगह पर हिंदी माध्यमों में कार्यरत कुशल व्यक्ति की आवश्यकता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक एवं कार्यालयीन हिंदी का पाठ्यक्रम प्रयोजनमूलक हिंदी के रूप में तैयार किया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objectives

1. कार्यालयीन पत्राचार से छात्रों को अवगत कराना।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से रोजगारपरक कौशल विकसित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र कार्यालयीन पत्राचार के स्वरूप से परिचित होगे।
2. छात्रों में रोजगारपरक कौशल विकसित होगा।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching-Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. कार्यालयीन पत्रलेखन
4. हिंदी के रोजगारपरक क्षेत्र को भेंट

अध्ययनार्थ इकाइयाँ **Weightage / बल**

इकाई - I पत्राचार **Credit – 1 Lectures – 15**

Marks - 15

1. पत्राचार: स्वरूप
2. पत्राचार: प्रकार
3. नौकरी के लिए आवेदन पत्र
4. पदाधिकारियों के नाम पत्र

इकाई - II संदर्भ स्रोत **Credit – 1 Lectures – 15**

Marks - 15

1. कोश ग्रंथ: सामान्य परिचय
2. ई-संदर्भ: विकिपीडिया, ई-समाचार, ब्लॉग लेखन का सामान्य परिचय
3. हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ: सामान्य परिचय
4. हिंदी पोर्टल और वेबसाइट: सामान्य परिचय

संदर्भ ग्रंथ सूची / List of Reference Books

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. राजभाषा हिंदी – भोलानाथ तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिध्दांत और प्रयोग - डॉ. दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका – कैलाशनाथ पांडेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. www.htpps://Wikipedia.org/wiki
6. www.cstt.nic.in
7. www.rajbhasha.nic.in
8. www.google.com/Top/world/Hindi

प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 30

<table>
<tr><td rowspan="1"></td><td colspan="2">Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur
B. A. – II (Hindi), Semester - IV
Vertical : SEC - 2
Course Code: G03-SEC-401
Course Name: Hindi
Title of Paper: समाचार लेखन</td></tr>
<tr><td>*Teaching Scheme
Lectures: 30 Hours, 02 Credits
OR
Practical: 00 Hours, 00 Credit</td><td>With effect from June – 2025</td><td>*Examination Scheme
UA:- 30 Marks
CA:- 20 Marks</td></tr>
</table>

प्रस्तावना / Preamble:-

समाचारों को ही समाचार पत्र कहते हैं। समाचार को अंग्रेजी में न्यूज कहा जाता है जिसमें हमेशा नया कुछ ना कुछ समाज को प्राप्त होता है। समाचार किसी अनोखी या असाधारण घटना की अविलंब सूचना को कहते है। जिसके बारे में समाज या लोग पहले कूछ जानते नहीं किंतु जानने का कुतूहल उनमें निर्माण होता है। समाचार लेखन एक कला है। जिसके लिए समय, ज्ञान, जिज्ञासा तथा लेखन प्रणाली का ज्ञान होना चाहिए। भूमंडलीकरण के कारण आज पूरे विश्व को मुठ्ठी में करने की ताकद मीडिया लेखन ने अपने हाथ में ली है। अत: शिक्षा क्षेत्र भी इसके लिए पीछे नहीं रहा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने 2020 को जैसे ही कदम रखा तो छात्रों को नोकरी के बजाय स्वयं का ज्ञान एवं कला को विकसित करने का अवसर प्राप्त कर दिया है। समाचार लेखन एक कला होने के कारण छात्र उसे अवगत कर आगे बढेगें और अपना अस्तित्व निर्माण करने के लिए पहल करेगें।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objective

1. समाचार लेखन को समझाना।
2. समाचार लेखन के उद्देश्य एवं गुणों से अवगत कराना।
3. समाचार के प्रकारों को समझाना।
4. समाचार लेखन के प्रति छात्रों में रुचि निर्माण कराना।

पाठ्यक्रम सिखने के परिणाम / Course out comes

1. समाचार लेखन प्रक्रिया को समझेंगे।
2. समाचार लेखन के उद्देश्य एवं गुणों से अवगत होगे।
3. समाचार के प्रकरों से अवगत होगे।
4. समाचार लेखन के प्रति छात्रों में रूचि निर्माण होगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. समाचार लेखन प्रात्यक्षिक

अध्ययनार्थ विषयः- **बल / Weightage**

इकाई – I समाचारः सैधांतिक विवेचन **Credit – 1 Lectures – 15**

Marks - 15

1. समाचारः स्वरुप, अर्थ एवं परिभाषा
2. समाचार लेखन प्रक्रिया
3. समाचार लेखन के तत्व
4. समाचारों का वर्गीकरण

इकाई – II समाचार लेखन **Credit – 1 Lectures – 15**

Marks - 15

1. समारोह या उत्सव का समाचार लेखन
2. राजनीतिक घटनाओं पर समाचार लेखन
3. क्रिडा और शिक्षा क्षेत्र से संबंधित समाचार लेखन
4. सामाजिक विषयों को लेकर समाचार लेखन

संदर्भ ग्रंथः-

1. पत्रकारिता के सिद्धांत, डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, दिल्ली.
2. पत्रकारिता प्रशिक्षण एवं प्रेस विधी, डॉ. सुजाता वर्मा, आशीष प्रकाशन, कानपुर
3. हिंदी पत्रकारिता उदभव & विश्वास, रचना भोला यामिनी, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली.

<u>प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06 अंक)
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)

कुलअंक = 30

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ॥ विद्यया संपन्नता ॥ NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A.– II (Hindi), Semester - IV** **Vertical:**AEC-L2 **Course Code: G03** (-------) **Course Name:** Hindi **Title of Paper: आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी**

***Teaching Scheme** **Lectures:** 30 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June – 2025	***Examination Scheme** **UA:** -30 Marks **CA:** -20 Marks

प्रस्तावना / Preamble

किसी भी भाषा की संरचना में शब्द रचना, वाक्य रचना, क्रिया आदि का स्थान महत्त्वपूर्ण होता है। हिंदी भाषा में शब्दों की रचना वर्णों, शब्दांशों, और उपसर्गों के संयोजन से होती है। हिंदी भाषा में वाक्यों की रचना विषय, क्रिया और वस्तु के आधार पर होती है। साथ ही क्रियाएँ वाक्यों की रचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हिंदी भाषा में शब्दों के अर्थ, उनके प्रयोग और संदर्भ के आधार पर निर्धारित होते हैं। वाक्यों में शब्दों का प्रयोग उनके अर्थ और संदर्भ के आधार पर किया जाता है। हिंदी भाषा की शब्दावली समय के साथ विकसित हुई है, जिसमें नए शब्द जोड़े जाते हैं और पुराने शब्दों के अर्थ बदलते हैं। हिंदी साहित्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। साहित्य, शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिंदी साहित्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / (Objective of the Course)

1. छात्रों को हिंदी भाषा के व्याकरण, शब्दावली और लेखन शैली का ज्ञान प्रदान करना।
2. हिंदी व्याकरण के मूल तत्वों, जैसे कि वर्णमाला, शब्द रचना, वाक्य रचना का अध्ययन करना।
3. छात्रों को हिंदी साहित्य का परिचय प्रदान करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / (Course Outcome)

1. छात्र हिंदी भाषा के व्याकरण, शब्दावली और लेखन शैली का ज्ञान प्राप्त करते हैं।
2. हिंदी व्याकरण के मूल तत्वों, जैसे कि वर्णमाला, शब्द रचना, वाक्य रचना से परिचित होते हैं।
3. छात्र हिंदी साहित्य सेपरिचित होते हैं।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया : (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. गृह स्वाध्याय

अध्यनार्थ विषय:- **Weight age / बल**

इकाई - 1 हिंदी संरचना **Credit-1 Lecture-15**

Marks - 15

1. मानक वर्तनी के नियम
2. वाक्य रचना, शब्द रचना
3. लिंग एवं लिंग परिवर्तन के नियम

इकाई - 2 हिदी पद्य और गद्य **Credit-1 Lecture-15**

Marks – 15

1. भिक्षुक – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (काव्य)
2. हिजड़े – कृष्णमोहन झा (काव्य)
3. ईश्वरीय न्याय – प्रेमचंद (कहानी)

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिंदी व्याकरण - डॉ. रामविलास शर्मा
2. हिंदी व्याकरण की मूल बातें - डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी व्याकरण का विस्तृत अध्ययन - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
4. हिंदी वाक्य रचना - डॉ. रामविलास शर्मा
5. हिंदी वाक्य रचना की मूल बातें - डॉ. भोलानाथ तिवारी
6. हिंदी वाक्य रचना का विस्तृत अध्ययन - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
7. हिंदी कविता का इतिहास - डॉ. रामविलास शर्मा
8. हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास - डॉ. रामविलास शर्मा
9. हिंदी गद्य साहित्य का विस्तृत अध्ययन - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
10. हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखक - डॉ. रामविलास शर्मा
11. हिंदी साहित्य के प्रमुख कवि - डॉ. भोलानाथ तिवारी
12. https://www.hindwi.org/kavita/eunuch/hijde-krishnamohan-jha-kavita?sort

<u>प्रश्न पत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

(सूचना- इकाई के लिए निर्धारित क्रेडिट तथा दिए गए अंकों को केंद्र में रखकर प्रश्नपत्र का निर्माण होगा।)

प्रश्न 1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 3. टिप्पणी लिखिए (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (06 अंक)

प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 30

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **B. A.– II (Hindi), Semester - IV** **Vertical :** CEP **Course Code: G03** **Course Name: CEP** Hindi **Title of Paper: CEP**

***Teaching Scheme** **Lectures:** 30 Hours, 02 Credits **OR** **Practical:** 00 Hours, 00 Credit	**With effect from** June – 2025	***Examination Scheme** **UA:-** 00 Marks **CA:-** 50 Marks

Community Engagement Programme (CEP)

Paper Codes [B.A. S.Y.]: GO3-CEP-401(Practical Paper and all Major Subject)

Credits: 02; Semester- IV; Evaluation: 20 + 30=50 Marks

1. INTRODUCTION:

New generation of students are increasingly unaware of local rural and peri-urban realities surrounding their HEIs, as rapid urbanization has been occurring in India. A large percentage of Indian population continues to live and work in rural and peri-urban areas of the country. While various schemes and programs of community service have been undertaken by HEIs, there is no singular provision of a well-designed community engagement course that provides opportunities for immersion in rural realities. Such a course will enable students to learn about challenges faced by vulnerable households and develop an understanding of local wisdom and lifestyle in a respectful manner

2. OBJECTIVES:

- To promote a respect for rural culture, lifestyle, and wisdom among students
- To learn about the present status of agricultural and development initiatives
- Identify and address the root causes of distress and poverty among vulnerable households
- Improve learning outcomes by applying classroom knowledge to real-world situations

To achieve the objectives of the socio-economic development of New India, HEIs can play an important role through active community engagement. This approach will also contribute to improve the quality of both teaching and research in HEIs in India. India is a signatory to the global commitment for achieving Sustainable Development Goals (SDGs) by 2030. Achieving these 17 SDG goals requires generating locally appropriate solutions. Community engagement should not be limited to a few social science disciplines alone. It should be practiced across all disciplines and faculties of HEIs. These can take the forms of enumerations, surveys, awareness camps and campaigns, training, learning manuals/films, maps, study reports, public hearings, policy briefs, cleanliness and hygiene teachings, legal aid clinics, etc. For example, students of chemistry can conduct water and soil testing in local areas and share the results with the local community. Students of science and engineering can undertake research in partnership with the community on solid and liquid waste disposal Therefore, students are being encouraged to foster social responsibility and community engagement in their teaching and research.

3. LEARNING OUTCOMES:

After completing this course, students will be able to

- Gain an understanding of rural life, Indian culture, and social realities.
- Develop empathy and bonds of mutuality with the local community.
- Appreciate the significant contributions of local communities to Indian society and economy.
- Learn to Value local knowledge and wisdom.
- Identify opportunities to contribute to the community's socioeconomic improvement.

4. Credits: Two Credit Course; Students are expected to complete 60 hours of participation

5. OURSE STRUCTURE:

Sr.	Module Title	Module Content	Teaching/Learning/Methodology
1.	Appreciation of Rural Society	Rural lifestyle, rural society, joint family, caste and gender relations, rural values with respect to community, rural culture nature and public resources, ponds and fisheries, elaboration of soul of India lies in villages' rural infrastructure,	Classroom discussions Field visit Individual /Group conference Report/journal submission & VIVA
2.	Understanding rural and local economy and livelihood	Agriculture, farming, land ownership, water management, animal husbandry, non-farm livelihood and artisan's rural entrepreneurs, rural markets, migrant labour, social innovation projects	Classroom discussions/Field visit Individual /Group conference Report/journal submission & VIVA
3.	Rural and local Institutions	Traditional rural and community organization, self-help groups, decentralized planning, panchayat raj institutions Gram panchayat, Nagarpalika and Municipalities, local Civil Society, Local administration, National rural, Livelihood Mission [NRLM], Mahatma Gandhi National Rural Employment. Guarantee [MGNREGA].	Classroom discussions /Field visit Individual /Group conference Report/journal submission & VIVA
4.	Rural and National development programmers	History of rural development and current National Programms in India: Sarva Shiksha Abhiyan, Beti Bachao- Beti Padhao, Ayushman Bharat, e-Shram Swachh Bharat, PM Awas yojana, Skill India, Digital India, Start-Up India, Stand-Up India, Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries (SFURTI), Jal Jeevan Mission, Mission Antyodaya, ATMANIRBHAR Bharat, etc.	Classroom discussions/Field visit Individual /Group conference Report/journal submission & VIVA

Note: Faculty can make addition in the list of activities as per domain content

(*Community Engagment Programme (CEP) Related to All Major Subject.)

Recommended field-based activities (Tentative):

- Participate in Gram Sabha meetings, and study community participation;
- Visit to Swachh Bharat Mission project sites, conduct analysis and initiate problem-solving measures;
- Interaction with Self Help Groups (SHGs) women members, and study their functions and challenges; planning for their skill-building and livelihood activities;
- Visit Mahatma Gandhi National. Rural Employment Guarantee Act 2005 (MGNREGS) project sites, interact with beneficiaries and interview functionaries at the work site;
- surveys on Mission Antyodaya to support under Gram Panchayat Development Plan
- Visit Rural Schools/mid-day meal centres, study academic and infrastructural resources, digital divide and gaps;
- Associate with Social audit exercises at the Gram Panchayat level, and interact with programme beneficiaries;
- Visit to local Nagarpalika office and review schemes for urban informal workers and migrants;
- Attend Parent Teacher Association meetings, and interview school drop outs;
- Visit local Anganwadi and observe the services being provided;
- Visit local NGOs, civil society organizations and interact with their staff and beneficiaries;
- Organize awareness programmes, health camps, Disability camps and cleanliness camps;
- Conduct soil health test, drinking water analysis, energy use and fuel efficiency surveys and building solar powered village;
- Understanding of people's impacts of climate change, building up community's disaster preparedness;
- Organize orientation programmes for farmers regarding organic cultivation, rational use of irrigation and fertilizers, promotion of traditional species of crops and plants and awareness against stubble burning;
- Formation of committees for common property resource management, village pond maintenance and fishing;
- Identifying the small business ideas (handloom, handicraft, khadi, food products, etc.) for rural areas to make the people self-reliant.
- Interactive with local leaders, panchayat functionaries, grass-root officials and local institutions regarding village development plan preparation and resource mobilization;
- Financial Literacy Awareness Programme
- Digital Literacy Awareness Programme
- Education Loan Awareness Programme
- Entrepreneurship Awareness Programme
- Awareness Programmes on Government Schemes
- Products Market Awareness
- Services Market Awareness
- Consumer Awareness Programme
- Accounting Awareness Programme for Farmers
- Accounting Awareness Programme for Street Vendors etc.

6. IMPORTANT RULES AND REGULATIONS FOR CEP:

Concurrent Fieldwork: Students must conduct comprehensive studies on various challenges that they face in their chosen field. Every work relevant to the subject matter should be compiled and documented.

Students should keep separate fieldwork diary or maintain journal in order to record their fieldwork

experiences i.e. reading, e- contents, tasks, planning and work hours have to be recorded in the diary. Detailed work records report on students' fieldwork experiences and activities to be submitted and should be presented. The fieldwork conference is part of the timetable and is mandatory. Faculty should hold a fieldwork conference FOREIGHTNIGHTLY for all students.

In addition to the principal curriculum, the students engage in a variety of community development-related activities. They are encouraged to plan and carry out programs, processions, and events for social causes. These activities seek to enhance students' personal and professional skills as well as foster self- development. "Rural Camp" should be embedded in the curriculum for first-year students to be held in the backward and neglected areas of District's

Concurrent Fieldwork is the core curriculum activity in the CEP course. Hence, 100% attendance of the students is mandatory in case of absence on any student, supplementary fieldwork must be arranged and accomplished with the approval of the faculty supervisor.

7. EVALUATION/ASSESSMENT SCHEME:

Community Engagement Programme [CEP]

Evaluation Pattern: Total Marks: 50

Students should keep a field diary / journal to record contents, readings and field visit planning.

The assessment pattern is Internal and External i.e. **20+30=50**

CA- Internal Evaluation:20 Marks [P] Conducted by Internal Examiner	
Participation in the Community Engagement Programme Initiation	10 Marks
Proposal for Community Engagement Programme with all the necessary components	10 Marks
Total	**20 Marks**
UA- End Semester Practical Examination: 30 Marks [P] Conducted by Internal Examiner and External Examiner	
Oral Presentation of CEP Activity	10 Marks
Preparation and Presentation of Community Engagement Programme Report with all the necessary components	20 Marks
Total	**30 Marks**